markets, visits of promotional delegations to tourist generating countries, invitation of media and trade representatives to India etc. was launched and a turn around in tourist arrivals *was* achieved.

निजी विमान कम्पनियों की ओर बकाया देय–राशि

2309. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) निजी विमान कम्पनियों द्वारा सरकार, अन्तरर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण और राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण को देय प्रभारों/करों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उनमें से प्रत्येक कम्पनी द्वारा वर्ष 1990 से उपरोक्त प्रभारों/करों के रूप में अदा की गई राशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) 31 मार्च, 1994 की स्थिति के अनुसार प्रत्येक विमान कम्पनी की ओर उपर्युक्त करों की बकाया राशि का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) उक्त बकाया राशि को वसूल करने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं/उठाये जाने का विचार है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सदन के पटल पर रख दी जायेगी ।

Air Transport Facilities to industrial Towns

2310. SHIR! SATISH PRADHAN: WiU the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government have pro posals to provide Air Transport Facilities to industrial developing towns, in view of large number of Multinalinal Companies having agreed to set up thier units;

(b) whether it is a fact that some of the States have committed to provide such infrastructural facilities to new entrepreneurs: and

(c) whether Government will consider to provide air services linliok major international Airports with such industrial towns?

THE MINISTER OF OIVIL AVIATION AND TOURISM. (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (c) Operation of air services between different stations is decided by the respective air operators keeping in view tho availability of infra-structural facilities, operating crew, aircraft, traffic potential, commercial viability of operations etc At present Indian Airlines operates to 53 stations in India which include developing industrial towns. Most of these stations are directly connected to international airports in India.

Cancellation of Flights of Indian Airlines and Vayudoot from Jabalpur

2311. SHRI AJIT P. K. IOGI: Will the Minister of CIVIL AVIATON AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Indian Airlines and Vayudoot have cancelled their flights from Jabalpur;

fb) if >.o. the reasons hterefor;

(c) by when these flights would be reintroduced; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM, (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (d) Runway of Jabalpur Aerodrome is not big enough to accept any Indian Airlines aircraft-Due to commercial and operational reasons. Vayudoot discontinued its operation to Jabalpur. There is no immediate possibility of reintroduction of flights to Jabalpur. since tho above reason* still exist.

साहसिक पर्यटन

2312. **श्री महेश्वर सिंह :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि आज "साहसिक पर्यटन" भारतीय और विदेशी पर्यटकों में लोकप्रिय होता जा रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या देश भर में इस प्रकार का कोई सर्वेक्षण कराया गया है कि किन-किन प्रांतों में और किस प्रकार से "साहसिक पर्यटन" को विकसित किया जाय ताकि साहसिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी, हां।

(ख) राज्य सरकार साहसिक पर्यटन से संबंधित स्कीमों का अधिनिर्धारण करती है जिनके लिये केन्द्रीय सरकार वित्तीय सहायता मुहैया कराती है। यात्रा प्रचालकों ने भी पर्यटकों की मांग के अनुसार, साहसिक पर्यटन कार्यकलापों का विकास किया है। गत तीन वर्षों के दौरान, पर्यटन विभाग ने भारत में विभिन्न राज्य सरकारों को साहसिक पर्यटन के विकास के लिये निम्नलिखित राशियां अवमुक्त की हैं:—

(रु० लाखों में)

1991–92	1992–93	1993–94
336–37	270.00	279.97

हिमाचल प्रदेश में वायुदूत-उड़ानों का प्रचालन

2313. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पूर्वोत्तर राज्यों में वायुदूत की उड़ानें पुनः आरम्भ कर दी गई हैं;

(ख) यदि हां, तो ये उड़ानें कौन-कौन से स्थानों के लिए आरम्भ की गई हैं;

(ग) क्या पूर्वोत्तर राज्यों की भांति हिमाचल प्रदेश से विभिन्न स्थानों के लिए भी उड़ानें की तरह हो वायुदूत की उड़ानें पुनः प्रारम्भ की जायेंगी, और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी हां।

(ख) इस समय निम्नलिखित 13 स्टेशन वायुदूत की सेवा से जुड़े हुए हैं:—

1. कलकत्ता 2. कूचबिहार 3. बागडोगरा 4. अगरतल्ला 5. शिलांग 6. एन्जवाल 7. गुवाहटी 8. सिलचर 9. दीमापुर 10. लीला-बाड़ी 11. डिब्रूगढ़ 12. तजूक 13 जरों।

(ग) और (घ) वित्तीय कठिनाइयों और विमान क्षमता की कमी के कारण बहुत सार स्टेशनों की सेवाएं धीरे-धीरे बन्द कर दी गई हैं। वायुदूत की हिमाचल प्रदेश राज्य में सेवाएं पुनः शुरू करने की कोई तत्काल योजना नहीं है।

सिक्किम में हवाई-पट्टी का निर्माण

2314. **श्री महेश्वर सिंह** :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय राष्ट्रीय विमान-पत्तन प्राधिकरण ने सिक्किम में हवाई-पट्टी बनाने के लिए दो तीन वर्ष पूर्व राज्य-वार सरकार के आग्रह पर कोई सर्वेक्षण कराया था;

(ख) यदि हां, तो कब और क्या सरकार इस रमणीक राज्य में एक हवाई पट्टी बनाने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी हां।